an>

Title: Regarding derogatory remarks made by a Member during a public rally in Kolkata.

श्री एस.एस.अहलुवालिया (दार्जिलिंग): महोदया, जैसे मैंने कहा कि मैं पश्चिम बंगाल का सांसद हूं। पश्चिम बंगाल में आए दिन विभिन्न मंचों पर वर्तमान प्रधान मंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी के नाम पर और पूर्व प्रधान मंत्री माननीय लाल बहादुर शास्त्री जी और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर वहां के सत्ता पक्ष के सांसद अश्लील भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। कुछ सांसद यह प्रोत्साहन पाते हुए अपने नेतृत्व से यदा-कदा जहां पर भी, अभी परसों भी एक रैली को ऐड्रैस करते हुए ये सांसद जो अभी सदन में उपस्थित हैं, इन्होंने वहां उनके परिवार के नाम पर और वर्तमान प्रधान मंत्री जी के नाम पर अश्लील भाषा का प्रयोग किया। इस परम्परा को बंद करने की जरूरत है। मेरी आपके माध्यम से मांग है कि वहां के सत्ता पक्ष तृणमूल कांग्रेस के सांसद सदन से और सदन के माध्यम से देश से माफी मांगें अन्यथा सदन से एक प्रस्ताव पास किया जाए कि किसी को भी यह अधिकार नहीं है कि वर्तमान प्रधान मंत्री के नाम पर या भूतपूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर विभिन्न तरह की अश्लील भाषाओं का प्रयोग वहां जिस तरह सरेआम सड़कों, चौराहों और मंचों पर किया जा रहा है, हम वर्तमान सरकार के युवा समाज और आने वाली पुश्तों को क्या देना चाहते हैं कि 'जय जवान जय किसान' के द्योतक लाल बहादुर शास्त्री जी के नाम पर यदा-कदा कोई भी उठकर कुछ भी बोलता है और यह बर्दाश्त किया जाएगा। राष्ट्र इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

महोदया, मेरी आपके माध्यम से मांग है कि जिस सांसद ने परसों कोलकाता में यह बात कही, वह सदन और सदन के माध्यम से देश से माफी मांगें अन्यथा उनके खिलाफ इस सदन में निन्दा प्रस्ताव लाने की जरूरत है।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: No clarification.

...(*Interruptions*)

श्री मोहम्मद सलीम (रायगंज) : महोदया, मैं इस बारे में एसोसिएट करना चाहूंगा। यह बहुत गंभीर मामला है। इस सदन की परम्परा रही है कि जब भी किसी सदस्य का कंडक्ट, मिसकंडक्ट unbecoming of a Member of Parliament होता है तो या तो स्पीकर की तरफ से इसे रैफरिमैंड किया जाता है या सदन के नेता या संसदीय कार्य मंत्री एक प्रस्ताव लाते हैं। अगर यह लंबित रहता है तो दुरुसाहस बढ़ जाता है। पहले लोग किसी के नाम पर या बाप के नाम पर या फिर नाना-दादी के नाम पर कहना शुरू कर देते हैं। आखिर इससे पूरे सदन की मर्यादा धूमिल होती है। हमारे मंत्री महोदय कभी-कभी भाषण में रैफर कर देते हैं कि *â€¦** ने ऐसा किया, सीपीएम के सदस्यों के खिलाफ अत्याचार की बात कही। हमने आपको चिट्ठी लिखी, लेकिन वह आज तक लंबित है। आपको साहस करके इस विषय में सदन में फैसला लेना पड़ेगा तभी ऐसे दुरुसाहस को रोक पाएंगे। नहीं तो हम सबका चेहरा बिगड़ जाएगा कि हम ऐसे लोगों के साथ इस सदन में हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इस बारे में हर सदस्य नहीं बोलेगा। आप लोग सहयोगी बन जाइए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ऐसे नहीं बोलना चाहिए लेकिन यह बार-बार हो रहा है।

â€¦(व्यवधान)

शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एम. वैंकैय्या नायडू) : महोदया, मेरी आपके माध्यम से पूरे सदन और कन्सर्न्ड सदस्य से विनती है कि वर्तमान प्रधान मंत्री जी के बारे में जिस तरह की भाषा का प्रयोग किया गया, कहा गया --- "In 2019 people would slap Modi and send him to a jail in Gandhi Nagar, from where he would never be able to come out".....(*Interruptions*) यह गंभीर मामला है। एक देश का प्रधान मंत्री और इतना लोकप्रिय प्रधान मंत्री, पूरे देश और विदेश में उनकी प्रशंसा हो रही है। किसी भी प्रधानमंत्री के बारे में ऐसी भाषा का प्रयोग करना गलत है, आपत्तिजनक है, दूसरा पूर्व प्रधानमंत्री जिनको हम सब लोग इतना आदर करते हैं, जिन्होंने जय जवान, जय किसान का नारा दिया, उस समय उन्होंने एक आदर्श प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया, If Lal Bahadur Shastri was alive, and knew he had a grandson like him, then, he would have never married. This man has never participated in any political movement, and has come this far, ridingâ€¦.. I am not here to score political points against anybody or trying to corner any particular party. It would be better in the interest of that Party, and that hon. Member to rise, and express unconditional apology so that the image and prestige of the House will go up. मुझे सलीम भाई बता रहे थे, कुछ साहस दिखाएं, साहस दिखाना, प्रस्ताव लाना और प्रस्ताव पारित करके किसी को बाहर करना यह बहुत आसान है, मैं कर सकता हूं, मगर मैं चाहता हूं कि वह संसद सदस्य और अन्य लोग जो ऐसी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, अपना पश्चाताप् व्यक्त करें, तो एक अच्छा प्रिसिडेंट होगा और हम आगे बढ़ सकते हैं। अगर नहीं करेंगे तो बाद में तय करेंगे कि आगे क्या करना है, यह स्वस्थ परंपरा होगी। मैं आपके द्वारा श्री कल्याण बनर्जी को जिनके नाम पर यह सब वक्तव्य अखबारों में आया, एक नहीं, दो नहीं, तीन बार आया, वह इसको स्वीकार करके पश्चाताप करें तो अच्छा होगा और देशवासी भी खुश हो जाएंगे और बंगाल वाले भी खुश हो जाएंगे। बंगाल में एक परंपरा है We always used to respect all the traditions and culture of Bengal, which are very great. Keeping that in mind, I would appeal to the Member, Shri Kalyan Banerjee to understand the sentiments of the people and also the House, and please express regrets so that we can leave this matter, and move forward.

माननीय अध्यक्ष : इस पर चर्चा क्यों कराते हों, यह कोई अच्छा विषय थोड़े है, आप प्लीज ऐसा मत कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप क्यों बोल रहे हों, यह आपके ऊपर थोड़े आरोप है आप क्यों बोलोगे प्लीज।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: What statement?

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): I am referring to the statement made by the Parliamentary Affairs Minister. ...(*Interruptions*) Please Madam, give me two minutes. He mentioned the Member by name.

HON. SPEAKER: No, he has not mentioned the Member by name.

...(*Interruptions*)

PROF. SAUGATA ROY : Shri Venkaiah Naidu mentioned the name of Shri Kalyan Banerjee. He has mentioned Shri Kalyan Banerjee's name. It is the

custom of this House that if you want to make any allegation against the Member, then you have to give the Member previous notice. This House has been exercised over the comments made by the Sadhvi Niranjan Jyoti.. ...(*Interruptions*) We have resolved that problem. ...(*Interruptions*) He has not given any notice to Shri Kalyan Banerjee and above a statement,

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : अगर आप चाहते हैं कि मैं प्रोसिजर फॉलो करूं, मैं प्रोसिजर फॉलो करूंगा, नोटिस दूंगा, फिर प्रस्ताव लाऊंगा, क्या आप इसके लिए तैयार हैं, मैं वह करना नहीं चाहता,...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : I am not allowing all this.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज बैठिए सौगत राय जी, यह कोई नियम से कुछ नहीं है और किसी के खिलाफ कोई निंदा प्रस्ताव भी नहीं आया है। बैठिए उन्होंने कोई प्रस्ताव नहीं दिया है। प्लीज बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मेरा आप सबसे इतना ही निवेदन है कि पश्चाताप करना कोई आर्डर से बात नहीं होती। किसी को आर्डर देने से पश्चाताप नहीं हो सकता या किसी को मैं यहां से बोलूं कि आप पश्चाताप करो, ऐसा भी नहीं होता है। मेरा आप सबसे इतना ही निवेदन है कि आजकल यह पद्धति बहुत ज्यादा चल रही है। पार्लियामैंट मैम्बर्स यहां बोलें या बाहर कहीं इससे ज्यादा बोला जाता है, हम सब अगर अपनी मर्यादा समझें, हम लाखों लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं और यहां बैठकर पूरे देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। मैं चाहूंगी कि हम सब लोग थोड़ी मर्यादा का पालन करें। अगर अपनी बातों को थोड़ा सोचकर सामने रखेंगे तो अच्छा होगा। किसी को यह कहना कि पश्चाताप करो और किसी को माफी मांगने के लिए कहो तो इसके लिए किसी से जबरदस्ती नहीं की जायेगी। अगर कोई अपने आप ही बोले कि मेरे से गलती हो गयी तो वह उनके मन के लिए भी ज्यादा ऐक्सैप्टेबल हो जाता है और सबके लिए भी हो जाता है।

...(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Madam Speaker, hon. Saugat Royji has taken objection and quoted Kaul & Shakdhar's Practice and Procedure Book for my taking the name of the Member. If he wants to proceed in that manner, I will definitely give notice or our Members will give notice. ...(*Interruptions*) Madam, I agree with the suggestion of Saugat Royji. Our Members will give notice and we will proceed further.

माननीय अध्यक्ष : ऐसा कुछ न हो।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं आप सबसे निवेदन करूंगी कि सब लोग अपने आप ही समझदार बनें तो वह देश के विकास की दृष्टि से अच्छा रहेगा।

â€¦(व्यवधान)

PROF. SAUGATA ROY : After the Speaker has spoken, why did you speak?...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : सौगत राय जी, आपस में ऐसी चर्चा नहीं होती।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप चुप रहिए। आपने कहा कि दे देंगे, तो दे सकते हैं, लेकिन नोटिस देना, फिर किसी बात की चर्चा करना, माफी मंगवाना ठीक नहीं है। मैंने इसलिए कहा कि माफी अपने आप ही मांगी जाती है। अगर अपना मन करे कि मैंने कुछ गलती की है तो फिर सुधार की तरफ जा सकते हैं। मुझे लगता है कि ऐसा नहीं होना चाहिए।

â€¦(व्यवधान)

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजीव प्रताप रूडी): अध्यक्ष महोदया, सामान्य तौर से संसदीय कार्य मंत्री ने आग्रह किया है और उन्होंने प्रस्ताव रखा कि यदि सदस्य सदन के समक्ष माफी मांग लेते हैं तो हमारी कोई कठिनाई है लेकिन ऐसा प्रतीत हो रहा है...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अगर माफी नहीं मांगते तो उनसे जबरदस्ती नहीं की जा सकती।

â€¦(व्यवधान)

श्री राजीव प्रताप रूडी : सदन में वह सदस्य पूरी बात सुन रहे हैं और एक हठ के रूप में अपनी बात पर अडिग हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : किसी से जबरदस्ती नहीं की जा सकती।

â€¦(व्यवधान)

श्री राजीव प्रताप रूडी : इसलिए सदन में सरकार के लिए मजबूरी हो जायेगी ...(व्यवधान) उनके खिलाफ हमें प्रस्ताव लाना पड़ेगा। ...(व्यवधान) महोदया, यह हमारी मजबूरी है। ...(व्यवधान) अभी भी हम उनसे कहेंगे कि भारत के प्रधान मंत्री के प्रति उन्होंने जो उच्चारण किया है, उसके लिए वह माफी मांगे, अन्यथा हम सदन की तरफ से बाधित हो जायेंगे कि उनके खिलाफ कार्रवाई करें। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इस पर जबरदस्ती थोड़े ही हो सकती है।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2.00 p.m.

12.58 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

14.03 hrs

The Lok Sabha re-assembled at Three Minutes past Fourteen of the Clock.

(Hon. Deputy Speaker *in the Chair*)